गोरखपुर : कलेक्ट्रेट सभागार में गैलेंट इस्पात कंपनी के समझौता पत्रों का आदान-प्रदान करते जिलाधिकारी डा. हरिओम व प्रबंध निदेशक चन्द्र प्रकाश अग्रवाल। एसएनबी

गीडा में स्थापित होगा अब तक का सबसे बड़ा उद्योग

सहारा न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर, 11 नवम्बर। जिलाधिकारी एवं डा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. हरिओम आज बताया कि प्रदेश सरकार ने गीडा में अब क के सबसे बड़े उद्योग की की स्थापना की मंजूरी दी है। गैलेन्ट ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज द्वारा लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित होने वाले उद्योग के लिए गीडा ने 117 एकड़ भूमि मुहैया रा दी है। मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव 14 म्बर को गीडा में स्वय आकर इस उद्योग की धारशिला रखेंगे।

मुख्यमंत्री के दौरे की आधिकारिक जानकारी ने के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बुलाये गये वाददाता सम्मेलन के दौरान डा. हरिओम ने गीडा मुख्य कार्यपालक अधिकारी के तौर पर गैलेंट आफ इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक चंद्र प्रकाश ग्रवाल के साथ भूमि की उपलब्धता के संबंध में मोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग' (सहमति पत्र) पर हस्ताक्षर भी किया। उन्होंने बताया कि गैलेंट इस्पात लिमिटेड के शिलान्यास के लिए मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव 14 नवम्बर को पूर्वाह्न 10.30 बजे हेलीकाप्टर से सीधे गीडा में ही उतरेंगे। समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश विकास परिषद के अध्यक्ष अमर सिंह करेंगे। कैबिनेट मंत्री हरिशंकर तिवारी, राज्यमंत्री जय प्रकाश यादव, राज्यमंत्री अरविन्द सिंह गोप, सांसद मोहन सिंह, औद्योगिक विकास आयुक्त अतुल कुमार गुप्ता और प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री अनिल कुमार भी विशेष रूप से समारोह में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री गीडा में प्रस्तावित टेक्सटाइल पार्क का शिलान्यास और निजी क्षेत्र के एक अन्य उद्योग इंडिया ग्लाइकाल्स लिमिटेड की फैक्ट्री का उद्घाटन भी करेंगे। संवाददाता सम्मेलन में उपस्थित गैलेंट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चंद्र प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश सरकार के व्यापक सहयोग से 14 नवम्बर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास की नयी शुरूआत होने जा रही है। उन्होंने कहा- 'मुझे यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि प्रदेश सरकार ने शीघ्र ही घोषित अपनी नयी औद्योगिक नीति के तहत प्रथम उद्योग स्थापना हेतु गैलेंट ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। यह केवल गैलेंट ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज का ही नहीं बल्कि समूचे गोरखपुर परिक्षेत्र की जनता एवं यहां के व्यवसायियों का सम्मान है। इस उद्योग के स्थापित होने से गोरखपुर के अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों में भी औद्योगिक विकास की मुहिम को बल मिलेगा।

- गीडा व गैलेंट ग्रुप के बीच हुआ करार
- उद्योग के लिए 117 एकड़ भूमि मुहैया करायी गयी

श्री अग्रवाल ने बताया कि गैलेंट इस्पात लिमिटेड द्वारा स्थापित होने वाले इंडस्ट्रियल कांप्लेक्स की प्रथम इकाई में आयरन ओर फाइन्स से पिलेट्स का निर्माण होगा, जबकि दूसरी इकाई में इस पिलेट्स से स्पंज आयरन का निर्माण किया जाएगा। कांप्लेक्स की तीसरी इकाई में स्पंज आयरन से स्टील विलेट का निर्माण होगा तथा चौथी इकाई में स्टील विलेट से टीएमटी सरिया का निर्माण किया जाएगा। इस प्रकार एक इकाई में निर्मित उत्पाद दूसरी इकाई के लिए कच्चा माल होगा। स्पंज आयरन निर्माण की प्रक्रिया में उपलब्ध वेस्ट हीट से खुद के उपयोग के लिए विद्युत उत्पादन का कार्य भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस ग्रुप की स्थापना वर्ष 1984 में मात्र एक लाख रु. की पूंजी एवं 4 लाख रु. के विनियोजन से तेल मिल की स्थापना के जरिये की गई थी। कालांतर से ग्रुप से विविध इकाइयों में अपना विस्तार किया।